करले कांवड़ तू स्वीकार | By Kumar Narendra & Sanjay Pareek |

करले कांवड़ तू स्वीकार
भोले रे भोले
भोले रे भोले
भोले रे बोले
कर दे रास्ता मेरा पार
भोले रे बोले

तेरे भरोसे भोले मैंने
कांवड़ है उठाई
एक पग ना चलने वाले में
कैसी हिम्मत आई
तेरा पाया नहीं पार
भोले रे भोले

तुम हो दया के सागर भोले
बाबा डमरूवाले
जब भी तेरी बोली तुमने
शक्ति के उजाले
बम से शक्ति संचार
भोले रे बोले

भक्त कुमार के बैठे बैठे
पैरों में पड़े छाले
मन भाव से कांवड़ लेकर
चलते हैं मतवाले
भोले रे भोले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a5%80%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-kumar-narendra-san/